अनेकार्थी शब्द

अनेकार्थी शब्द का अभिप्राय है, ऐसे शब्द जिनके एक से अधिक अर्थ हों। हिन्दी भाषा में ऐसे कई शब्द हैं जिनके एक से अधिक अर्थ होते हैं। ऐसे शब्दों का अर्थ भिन्न-भिन्न प्रयोग के आधार पर या प्रसंगानुसार ही स्पष्ट होता है।

विषय से सम्बन्धित

हाथ में लेकर लड़ा जाने वाला हथियार

प्रत्यक्ष - सीधा, आँखों के सामने, साफ

फल - पेड़ का फल, नतीजा, मेवा, परिणाम, लाभ, शस्त्र का आगे वाला हिस्सा

बल - शक्ति, सेना, सहारा, मरोड़, चक्कर

बिजली - विद्युत, तड़ित्, कान का एक गहना

बिंदु - कण, चिह्न, बूँद, अनुस्वार

बलि - राजा बलि, उपहार, बलिदान, कर, चढ़ावा

रक्त - खून, केसर, लाल चंदन, लाल

रुख - शतरंज का एक मोहरा, चेहरा, रुझान, मनोभाव

लक्ष्य - उद्देश्य, लक्षणार्थ, निशाना

लहर - उमंग, तरंग, झोंका, झूलना

वर्ण - अक्षर, रंग, चातुर्वर्ण्य, जाति, रुप

विलक्षण - अलग, विशिष्ट, अजीब

विषम - भीषण, जो सम न हो, बहुत कठिन

सार - तत्त्व, निष्कर्ष, रस, रसा, लाभ, धैर्य

सुधा - पानी, अमृत, अमिय

स्थूल - मोटा, समझ में आने योग्य

हीन - रहित, दीन, थोड़ा, निकृष्ट

पुष्कर - कमल, तालाब, पानी, मद, आकाश, हाथी के सूँड के आगे वाला भाग, सर्प, सूर्य, युद्ध

पट - कपड़ा, परदा, किवाड़

तरंग - उमंग, लहर, स्वर लहरी

नायक - सेनापति, मुखिया, छोटा सेनाधिकारी, नाटक का मुख्य पात्र

मानस - कामदेव, दूत, मनुष्य, मन, मानसरोवर

मंद - कश्तूरी, मद्य, नशा, हर्ष, गर्व

योग - मेल, लगाव, कुल, जोड़, ध्यान, शुभकाल

युक्ति - तरकीब, योग, कौशल, नीति

मुख की आकृति

भाव - अभिप्राय, अस्तित्व, विचार, श्रद्धा, निर्ख, मुखाकृति

भेद - अंतर, रहस्य, फूट, छेदन, छुपा हुआ

महावीर - हनुमान, 24वें जैन तीर्थंकर, बहुत बलवान

मधु - मदिरा, शराब, शहद, वसंत ऋतु, अमृत, चैत्रमास, पराग

महीधर - शेषनाग, पर्वत, एक वर्णिक छंद

मान - सम्मान, इज्जत, घमंड

मुद्रा - आकृति, रूप, सिक्का, मोहर, अँगूठी, चिह्न, छापा, धन

सुरभि - सुगंधित, वसन्त ऋतु, पृथ्वी, सुन्दर, गौ (गाय)

विधि - ब्रह्म, पद्धति, कानून, युक्ति, तरीका,

धर्म - कर्तव्य, स्वभाव, संप्रदाय, गुण, प्रकृति, न्याय

ऊर्मि - पीड़ा, लहर

उरु - श्रेष्ठ, विशाल, जाँघ

गण - मनुष्य, भूत-प्रेत, तीन वर्णों का समूह (छंद शास्त्र), समूह

तत्त्व - मूल यथार्थ, सार, ब्रह्म, पंचभूत

गति - चाल, हालत, दशा, मोक्ष

जलज - कमल, शंख, मोती, चंद्रमा, मछली, सेवार

मूक - शांत, गूँगा, चुप, विवश

गुण - कौशल, लक्षण, हुनर, स्वभाव

मित्र - सूर्य, सखा, दोस्त, सहयोगी, प्रिय

शिव - महादेव, भाग्यशाली, मंगल

हस्ती - हाथी, अस्तित्व, हैसियत

नीलकंठ - शिव, मोर, एक विशेष पक्षी

इन्दु - कपूर, चन्द्रमा, गणित में एक की संख्या

इष्ट - ध्येय, परमात्मा, समीपी, काम्य देवता

ईषण - वासना, चाह, दृष्टि, देखना

ईति - अण्डा, आपदा, पीड़ा, विघ्न-बाधा

उत्तर - जवाब, उत्तर दिशा, बदला, हल

उपस्कर - सामान, अलंकार, संयंत्र

उच्च - श्रेष्ठ, बड़ा, उठा हुआ, जोर का

उल्लास - हर्ष, प्रकाश, एक अलंकार, पर्व, सर्ग, झलक

उत्पात - दंगा, शरारत, हो-हल्ला

काल - मृत्यु, अकाल, समय, यमराज, अवसर

कटाक्ष - आपेक्ष, व्यंग्य

किनारा - सिरा, पार्श्व, हाशिया, तट

कुंभ - घड़ा, हाथी के मस्तक के दोनों ओर का भाग, प्रयागराज का एक पर्व

कक्षा - ग्रहों के घूमने का मार्ग, परिधि, श्रेणी, काँख, तुलना

कपि - सूर्य, हाथी, हनुमान, बंदर

केतु - ध्वज, पुच्छल तारा, एक ग्रह, ज्ञान, चमक

खग - पक्षी, बाण, तारा, गन्धर्व

खल - धतूरा, चुगलखोर, दुष्ट, तलछट, खरल

अलग करना

खंडन - प्रत्यांख्यान, टुकड़े करना, विरोध, हिस्सों में बाँटना

खीर - पायस, दूध और चावल से बना हुआ खाद्य पदार्थ

गंदा - अश्लील, मैला, अशुद्ध, बुरा

घोड़ा - बंदूक का खटका, शतरंज का एक मोहरा, एक पशु

घन - बादल, बड़ा हथौड़ा, जिसकी लम्बाई-चौड़ाई-ऊँचाई तीनों बराबर हो, संख्या के ऊपर घात के रुप में तीन

$3^3 = 3 \times 3 \times 3 = 27$

चंचला - बिजली, लक्ष्मी, चंचल स्त्री

चाप - परिधि का आधा भाग, दबाव, धनुष, आलू की टिकिया

छादन - छप्पर, परदा, वस्त्र

छंद - काव्य, वेद, छल, जल, रंग, एकांत, पदादि, मत, बहाना

छुद्र - नीच, कंजूस, छोटा, थोड़ा

जीवन - प्राण, पानी, जिदंगी, जीविका - निर्वाह, अजीविका

जलधर - समुद्र, बादल, जलाशय

जाँच - परीक्षण, खोज, पूछ-ताछ

झाड़ - पौधों का झुरमुट, गुच्छा, एक आतिशबाजी

टीका - तिलक, व्याख्या, फलदान, अभिषेक, टिप्पणी

टेक - सहारा, आग्रह, सहारा देने वाली लकड़ी, गीत का छोटा पद, आदत, साधुओं की अधारी

ठाकुर - ईश्वर, देवता, मालिक, क्षत्रिय, नाई

ढाल - आड़, चर्म, रक्षक, धातुओं की ढलाई, प्रहार रोकने वाला गोल अस्त्र

ढर्रा - पद्धति, उपाय, रुप, व्यवहार, आचरण, लक्षण

तारा - नक्षत्र, आँख की पुतली, बृहस्पति की स्त्री, बालि की स्त्री, भाग्य

तेज - तीखा, प्रचंड, शीघ्रगामी, पैना, चरपरा

दंड - सजा, डंडा, जहाज का मस्तूल, सेना, यमराज

द्रव्य - वस्तु, धन

दल - सेना की टुकड़ी, झुंड, समूह, पार्टी, मंडली, छोटा पत्ता, फूल की पंखुड़िया

दारु - शराब, दवा, बारुद

दाय - दायित्व, दहेज, उत्तराधिकार में प्राप्त संपत्ति

धनंजय - अर्जुन, अग्नि, वृक्ष, विष्णु, वायु

धर्म - कर्तव्य, संप्रदाय, प्रकृति, स्वभाव, रीति, पुण्य, न्याय, आचार, यज्ञ

धवल - निर्मल, साफ, सफेद, उजला, निष्कलंक

निशाचर - राक्षस, चोर, उल्लू, प्रेत

नाग - साँप, पर्वत, हाथी, बादल, वायु का एक भेद, पान

निष्कर्ष - सिद्धान्त, सारांश, निश्चय, अंतिम परिणाम

नीलकंठ - शिव, मोर, एक पक्षी - विशेष (जिसका कंठ नीला होता है)

नकली - बनावटी, काल्पनिक, झूठा, जो नकल करके बनाया गया हो।

नक्शा - मानचित्र, आकृति, रुपरेखा, लच्छन

निर्वाण - मोक्ष, शून्य, विश्राम, मृत्यु, संगम

नग - सर्प, पर्वत, संख्या, नगीना (विशेष प्रकार का रत्न), अदद

नेपथ्य - रंगमंच के पीछे का भाग (हिस्सा), वेशभूषा, सजावट

पतंग - सूर्य, नाव, पतिंगा, कनकौआ, पक्षी, शरीर

पंचानन - शिव, सिंह, प्रकांड विद्वान

पयोधर - तालाब, बादल, पर्वत, स्तन, कसेरु

पय - पानी, दूध, अन्न

प्रभाव - असर, सामर्थ्य, दबाव, महिमा

पृष्ठ - पीठ, पीछे का भाग, पन्ना, परी सतह

पाठ - शिक्षा, सीख, सबक, वाचन

आतुर - उत्सुक, उतावला, रोगी, दुःखी, कमजोर

आदि - आरंभ, पहला, प्रारम्भिक, वगैरह

आगम - शास्त्र, ज्ञान, आना

आली - सखी, मान्यवर, पंक्ति, गीला

आन - स्वाभिमान, क्षण, टेक, शपथ, दूसरा

आम - आम का फल, मामूली, सर्वसाधारण

आकर - स्रोत, खान, कोष, पहुँच कर

आज्ञा - अनुमति, आदेश

गुरु - अध्यापक, दीर्घ वर्ण, श्रेष्ठ, वृहस्पति, बड़ा, भार

सारंग - पपीहा, राजहंस, कामदेव, सर्प, धनुष, कमल, शंख, कपूर, रात्रि, घोड़ा, तालाब, केश, वस्त्र, मृग, चन्दन, चन्द्रमा, मोर, एक राग, दीपक, काजल, हाथी, दिन, फूल, चातक, सोना, मेघ, हरिण

अंक - गोद, चिह्न, संख्या, नाटक का एक भाग (अंक), अध्याय, भाग्य

अर्थ - अभिप्राय, धन, कारण, ऐश्वर्य, हेतु (लिए), मतलब

अंग - शरीर, अवयव, शाखा, देह, अंश, सहायक

अब्ज - शंख, चंद्रमा, कपूर, कमल

और - दूसरा, तथा

अंबर - वस्त्र, बादल, आकाश, गगन, अभ्रक

अचल - स्थिर, निश्चल, अटल, पहाड़

अतिथि - अग्नि, साधु, यात्री, अपरिचित, मेहमान

अपेक्षा - अभिलाषा, इच्छा, आशा, आवश्यकता, तुलना में, एषणा

अज - अजन्मा, ईश्वर, ब्रह्म, बकरा

अक्षर - मोक्ष, वर्ण, गगन, ब्रह्मा, विष्णु, शिव, सत्य, अविनाशी, धर्म, तपस्या, जल

अज - बकरा, मेष, ब्रह्मा, दशरथ के पिता, जीव, जिसका जन्म न हो (ईश्वर)

अर्घ - मधु, जलदान, भेंट, शहद, घोडा, मूल्य

अक्षत - कच्चा चावल, बिना घाव, समूचा, पूरा

अधर - होंठ, शून्य, अंतरिक्ष, तुच्छ, बिना आधार का, नीचे का

अरुण - सूर्य का सारथी, लाल, सिंदूर, बाल सूर्य, कुमकुम

अमृत - जल, सुधा, दूध, गिलोय, मृत्युरहित, मुक्ति, पारा, स्वर्ण

अपवाद - कलंक, खंडन, दोष, नियम की छूट

अर्क - काढ़ा, सूर्य, मदार का पौधा, इन्द्र, स्फटिक

अंचल - सिरा, साड़ी का पल्लू, प्रदेश

अंत - मृत्यु, सिरा, समाप्ति, रहस्य (भेद)

अंतरंग - गुप्त, घनिष्ठ, भीतरी (अंदर का)

अकाल - दुर्भिक्ष, असमय, कमी (अभाव)

अतिरिक्त - अलावा, फालतू, भिन्न (अलग)

अध्यक्ष - सभापति, विभाग का मुखिया, प्रभारी (इन्चार्ज)

अयन - अंश, आश्रम, काल, समय, गति, स्थान

असली - युद्ध, वास्तविक, मौलिक

अनर्थ - विपत्ति, अर्थ का अभाव, अनुचित अर्थ, अशुभ घटना

अलि - भौंरा, कुत्ता, सखी, कोयल, कौआ, बिच्छू

अनुरुप - अनुकूल, उपयुक्त, सदृश, मिलता-जुलता

अबोध - मूर्ख, दुरुह, नासमझ, दुर्बोध

अभिधान - शब्दकोश, नाम, पदनाम, उक्ति, नाममाला

अलग - अछूता, भिन्न, पृथक, न लगा हुआ

अमल - कार्यान्वयन, मलरहित, नशा-पानी

अवैध - जारज, गैरकानूनी, नाजायज

अंबुज - कमल, शंख, ब्रह्मा, वज्र, बेत